

गजलकार गोपाल अशक र उनको गजलकारिता

त्रिभुवन विश्वविद्यालय,

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्कायअन्तर्गत
त्रिभुवन विश्वविद्यालय, केन्द्रीय नेपाली विभाग कीर्तिपुरको
स्नातकोत्तर तह, द्वितीय वर्षको पाठ्यांश परिपूर्तिका लागि
दसौं पत्रको प्रयोजनार्थ
प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी
देवीकुमारी सापकोटा
केन्द्रीय नेपाली विभाग
कीर्तिपुर, २०६६

शोधनिर्देशकको मन्तव्य

‘गजलकार गोपाल अशक र उनको गजलकारिता’ शीर्षकको प्रस्तुत शोधपत्र मेरो निर्देशनमा रही देवीकुमारी सापकोटाले तयार पार्नुभएको हो । स्नातकोत्तर तह नेपाली विषयको दशौं पत्रको प्रयोजनका लागि अत्यन्त परिश्रमपूर्वक तयार गरिएको प्रस्तुत शोधप्रति म सन्तुष्ट छु र आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि नेपाली केन्द्रीय विभाग कीर्तिपुर समक्ष सिफारिस गर्दछु ।

.....
प्रा.डा. देवीप्रसाद गौतम
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रि.वि. कीर्तिपुर
काठमाडौं

मिति: २०६६ / /

त्रिभुवन विश्वविद्यालय
नेपाली केन्द्रीय विभाग
कीर्तिपुर

स्वीकृतिपत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागका छात्रा देवीकुमारी सापकोटाले स्नातकोत्तर तह (एम.ए.) नेपाली विषयको दुशौं पत्रको प्रयोजनका लागि तयार पार्नु भएको 'गजलकार गोपाल अशक र उनको गजलकारिता' शीर्षकको शोधपत्र आवश्यक मूल्याङ्कन गरी स्वीकृत गरिएको छ ।

शोध मूल्याङ्कन समिति

| क्र.सं. | नाम | हस्ताक्षर |
|---------|---|-----------|
| १. | प्रा. राजेन्द्र सुवेदी (विभागीय प्रमुख) | |
| २. | | |
| ३. | प्रा.डा. देवीप्रसाद गौतम (शोधनिर्देशक) | |

मिति: २०६६ / /

कृतज्ञताज्ञापन

शोधकार्य आफैँमा एक जटिल कार्य हो । यो गहन एवं जटिल कार्यमा आदरणीय गुरुज्यू प्रा.डा. देवीप्रसाद गौतमको कुशल निर्देशनमा मूर्तरूप दिइकी छु । आफ्नै कार्य व्यस्ततामा रहनु भएर पनि मलाई लक्षित स्थानमा पुऱ्याउन उहाँले दिनुभएको अमूल्य सुझाव र उचित सल्लाहका निमित्त शोधनिर्देशक श्रद्धेय गुरुज्यूप्रति म हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त गर्दछु । शोधप्रस्ताव स्वीकृत गरी मलाई शोधकार्य तयार गर्न अनुमति प्रदान गर्ने केन्द्रीय नेपाली विभागका विभागीय प्रमुख प्रा.डा. राजेन्द्र सुवेदी र विभाग परिवारप्रति आभारी छु ।

शोधपत्र तयार पार्ने क्रममा आवश्यक पुस्तक, पत्रपत्रिका, लेख, रचना र प्रत्यक्ष सहयोग उपलब्ध गराइ सहयोग गर्नुहुने शोधनायक श्री गोपाल अशकज्यूलाई हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन गर्दछु । बहुमुखी प्रतिभाका धनी गोपाल अशकको अहिलेसम्म उनका गजलकारितामा अध्ययन र अनुसन्धान हुन नसकिरहेको अवस्थामा उहाँका गजलहरूको विषयवस्तु, शैलीशिल्प र अशकको गजलयात्रा सतबन्धी यथेष्ट रूपमा जान्ने बुझ्ने एवम् अनुसन्धान गर्ने रुची जागेर नै यो शोधपत्र तयार पारेकी हुँ । जसबाट गोपाल अशकको गजलकारिता अझ प्रष्टिने छु भन्ने आशा लिइकी छु ।

मलाई शिक्षामा प्रेरणा दिइर यहाँसम्म पुऱ्याउन उत्प्रेरकको भूमिका निभाउनु हुने पूज्यनीय स्व. पिता श्री उमाकान्त सापकोटा र आमा बोधावती सापकोटा साथै दाजुप्रति आभारी छु । शोधपत्र तयार पार्ने क्रममा आवश्यक सल्लाह दिनुहुने माननीय डा. विश्वतमरकुमार शर्माका साथै हर समय साथ दिई शोधकार्य तयार पार्न सहयोग गर्नुहुने श्रीमान् विजयरज शर्माप्रति पनि हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु । अन्तमा यस शोधपत्रलाई शुद्धसँग समयतै टड्कण गरिदिनुहुने शुभम् प्रिन्ट कर्नर वीरगञ्जका श्री नवीन सिक्दारप्रति पनि धन्यवाद अर्पण गर्दछु ।

प्रस्तुत शोधपत्र आवश्यक मुल्याङ्कनका लागि त्रिभुव विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय, केन्द्रीय नेपाली विभाग कीर्तिपुरसमक्ष प्रस्तुत गर्दछु ।

शोधार्थी

देवीकुमारी सापकोटा
केन्द्रीय नेपाली विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
कीर्तिपुर, २०६६

सङ्क्षेपीकृत शब्दसूची

यस शोधपत्रमा प्रयोग गरिएका शब्दहरूको सङ्क्षेपीकृत रूप यसप्रकार छन् :

| | |
|--------------------------|--------------------------------|
| क्र.सं. | क्रम सङ्ख्या |
| डा. | डाक्टर |
| त्रि.वि.वि. | त्रिभुवन विश्वविद्यालय |
| ने.रा.प्र.प. | नेपाल राजकीय प्रज्ञापतिष्ठान |
| प्रा. | प्राध्यापक |
| ग.सं. | गजल सङ्ग्रह |
| पृ.सं. | पृष्ठ संख्या |
| वि.सं. | विक्रम सतवत् |
| स्व. | स्वर्गीय |
| सं. | सम्पादक |
| दृ.सं. | दृर्ता सङ्ख्या |
| ने.ला.इ.क.ली. लीमिटेड | नेसनल लाइफ इन्स्युरेन्स कम्पनी |

विषयसूची

अध्याय-पहिलो

| | |
|-----------------------------|----------|
| शोध परिचय | १ |
| १. प्रस्तावना | १ |
| १.१ शोध शीर्षक | २ |
| १.२ शोध प्रयोजन | ३ |
| १.३ शोध समस्या | ३ |
| १.४ शोध कार्यको उद्देश्य | ३ |
| १.५ अध्ययनको क्षेत्र र सीमा | ४ |
| १.६ पूर्व कार्यको समीक्षा | ४ |
| १.७ अध्ययनको औचित्य | ७ |
| १.८ शोध विधि | ७ |
| १.९ शोध कार्यको रूपरेखा | ८ |

अध्याय-दोस्रो

| | |
|--------------------------------------|----------|
| गोपाल अशकको सङ्क्षिप्त जीवनी | ९ |
| २. विषय प्रवेश | ९ |
| २.१ सामाजिक व्यक्तित्व | ९ |
| २.२ जन्म र जन्मस्थान | ९ |
| २.३ माता-पिता | १० |
| २.४ धर्म र राष्ट्रियता | ११ |
| २.५ शिक्षा | ११ |
| २.६ सामाजिक र आर्थिक अवस्था | १२ |
| २.७ घर परिवार सदस्य | १२ |
| २.८ बानीबिहोरा | १२ |
| २.९ शारीरिक अवस्था | १३ |
| २.१० रुचि, खानपान र भेषभूषा | १३ |
| २.११ पेसा | १३ |
| २.१२ जीवन र साहित्यप्रतिको दृष्टिकोण | १४ |

| | | |
|---------|---|----|
| २.१३ | द्विनचर्या | १४ |
| २.१४ | रोगव्याधि | १५ |
| २.१५ | साहित्यिक व्यक्तित्व | १५ |
| २.१५.१ | कवि गोपाल अशक | १५ |
| २.१५.२ | गीतकार र गजलकार गोपाल अशक | १६ |
| २.१५.३ | कथाकार गोपाल अशक | १६ |
| २.१५.४ | उपन्यासकार गोपाल अशक | १७ |
| २.१५.५ | निबन्धकार गोपाल अशक | १७ |
| २.१५.६ | एकाङ्कीकार, नाटककार, रंगकर्मी गोपाल अशक | १७ |
| २.१५.७ | बाल साहित्यकार गोपाल अशक | १८ |
| २.१५.८ | हास्यव्यङ्ग्यकार गोपाल अशक | १८ |
| २.१६ | दृष्टा व्यक्तित्व | १८ |
| २.१६.१ | समालोचक गोपाल अशक | १९ |
| २.१६.२ | भूमिका लेखक गोपाल अशक | १९ |
| २.१६.३ | सम्पादक गोपाल अशक | १९ |
| २.१६.४ | अन्वार्ताकार गोपाल अशक | २० |
| २.१६.५ | अनुवादक गोपाल अशक | २० |
| २.१६.६ | वैयाकरण गोपाल अशक | २० |
| २.१६.७ | पाठ्यक्रम निर्माता गोपाल अशक | २१ |
| २.१६.८ | शोधकर्ता र अनुसन्धानकर्ता गोपाल अशक | २१ |
| २.१६.९ | निष्कर्ष | २१ |
| २.१६.१० | (क) पुरस्कार | २२ |
| | (ख) सत्मान | २२ |

अध्याय-तेस्रो

नेपाली गजलको विकासक्रम र गोपाल अशकको गजलयान्त्र

| | | |
|--------|---|----|
| ३ | नेपालीगजलको विकासक्रम | २४ |
| ३.१. | (अ) काल विभाजन | २५ |
| ३.१.अ. | (क) नेपाली गजलको पहिलो चरण (वि.सं. १९४१-२००२) | २६ |

| | |
|---|-----------|
| ३.१.अ. (ख) नेपाली गजलको दोस्रो चरण (वि.सं. २००३-२०३५) | २९ |
| ३.१. अ (ग) नेपाली गजलको तेस्रो चरण (वि.सं. २०३६ देखि हालसम्म) | ३१ |
| ३.१. अ. ग.९८० आरम्भ (वि.सं. २०३६-२०५०) पुनर्जागरण काल | ३१ |
| ३.१. अ. ग. ९८० उत्कर्ष (वि.सं. २०५० देखि यता) उर्वर काल | ३२ |
| ३.२ गोपाल अशकको गजलयात्रा | ३६ |
| ३.२.(क) प्रथम चरण (वि.सं. २०५५-२०६२) | ३८ |
| ३.२.(ख) द्वितीय चरण (वि.सं. २०६२ देखि हालसम्म) | ४३ |
| ३.२.ख.१ परिपक्वता | ४३ |
| ३.२ ख (२) सामाजिक यथार्थता | ४४ |
| ३.२ ख (३) समसामयिकता : | ४४ |
| ३.२ ख (४) प्रगतिशीलता | ४५ |
| ३.२ ख (५) नारी संवेदनाको प्रत्याभूति | ४५ |
| ३.२ ख (६) प्रेमपरकता | ४६ |
| ३.२ ख (७) आज्ञालिकता | ४७ |
| ३.२ ख (८) परिष्कृतता | ४८ |
| ३.२ ख (९) सजगता | ४८ |
| ३.२ ख (१०) राष्ट्रियता | ४९ |

अध्याय-चौथो "

| | |
|---|-----------|
| गजलकार गोपाल अशकका गजलहरूको विषयवस्तुगत अध्ययन | ५० |
| ४.१ राष्ट्रियता / देश प्रेम | ५२ |
| ४.२ क्रान्तिचेतना | ५४ |
| ४.३ स्वतन्त्रता प्राप्तिको चाहना | ५५ |
| ४.४ विकृत राजनीतिप्रति व्यङ्ग्य | ५६ |
| ४.५ वर्गचित भावना | ५७ |
| ४.६ जीवनप्रति दृष्टिकोण | ५८ |
| ४.७ अमानवीयताप्रति चिन्ता | ६० |
| ४.८ सामाजिकता | ६१ |
| ४.९ श्रृङ्गार | ६४ |
| ४.१० प्रकृति चित्रण | ६७ |

| | |
|---------------------|----|
| ४.११ वैयक्तिक भावना | ६८ |
| ४.१२ निष्कर्ष | ७१ |

अध्याय-पा " चौ "

| | |
|--|----|
| ५. शैलीशील्यका दृष्टिकोणले गोपाल अशकका गजलहरूको अध्ययन | ७३ |
| ५.१ अशकका गजलमा रूप (बाह्य संरचनात्मक) पक्ष | ७४ |
| ५.१ (क) मवताको शेर | ७५ |
| ५.१ (ख) तखल्लुस | ७६ |
| ५.१ (ग) काफिया | ७६ |
| ५.१ (घ) रद्विफ | ७७ |
| ५.१ (ङ) बहर | ८० |
| ५.१ ङ १६० पिङ्गल छन्द र फारसी उर्दूका बहरहरू | ८० |
| ५.१ ङ १७० बहरबद्ध नेपाली गजलहरूका केही शेरहरू | ८२ |
| ५.१ ङ १७० मीजपुरी बहरबद्ध गजलका केही शेरहरू | ८३ |
| ५.१ ङ १७० हिन्दीका बहर बद्ध गजलका केही शेर | ८३ |
| ५.२ अशकका गजलमा आन्तरिक रूप पक्ष | ८४ |
| ५.२ (क) अशकका गजलका शैली | ८४ |
| ५.२ (ख) अशकका गजलमा प्रतीक | ८६ |
| ५.२ (ग) अशकका गजलमा बित्तब विधान | ८६ |

अध्याय-छैठौ " "

| | |
|-------------------|----|
| ६. सारांश | ८८ |
| सन्दर्भग्रन्थसूची | |

सङ्क्षेपीकृत शब्दसूची

यस शोधपत्रमा प्रयोग गरिएका शब्दहरूको सङ्क्षेपीकृत रूप यसप्रकार छन् :

| | |
|--------------------------|--------------------------------|
| क्र.सं. | क्रम सङ्ख्या |
| डा. | डाक्टर |
| त्रि.वि.वि. | त्रिभुवन विश्वविद्यालय |
| ने.रा.प्र.प. | नेपाल राजकीय प्रज्ञापतिष्ठान |
| प्रा. | प्राध्यापक |
| ग.सं. | गजल सङ्ग्रह |
| पृ.सं. | पृष्ठ संख्या |
| वि.सं. | विक्रम सम्वत् |
| स्व. | स्वर्गीय |
| सं. | सम्पादक |
| द.सं. | दर्ता सङ्ख्या |
| ने.ला.इ.क.ली. लीमिटेड | नेसनल लाइफ इन्स्योरेन्स कम्पनी |